विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग- तृतीय , विषय-सह- शैक्षणिक गतिविधि

दिनांक-09-07-2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

आज सह-- शैक्षणिक गतिविधि के अंतर्गत कहानी पढ़ने दिया जा रहा है पढ़ें तथा समझे।

3 . नकल में अकल

एक पहाड़ की चोटी पर एक गरुड़ रहता था। उसी पहाड़ की तलहटी में एक विशाल वृक्ष था, जिस पर एक कौआ अपना घोंसला बनाकर रहता था।

तलहटी के आसपास के गांवों में रहने वाले पशु पलकों ही भेड़-बकरियां चरने आया करती थी। जब उनके साथ उनके मेमने भी होते तो गरुड़ प्रायः उन्हें अपना शिकार बना लेता था।

रोज यह देखकर एक दिन कौए को भी जोश आ गया। उसने सोचा कि यदि गरुड़ ऐसा पराक्रम कर सकता है तो मैं क्यों नहीं कर सकता ? आज मैं भी ऐसा ही करूंगा।

उसने भी गरुड़ की तरह हवा में जोरदार उड़ान भरी और आसमान में जितना ऊपर तक जा सकता था उड़ता चला गया।
फिर तेजी से नीचे की ओर आकर गरुड़ की भांति झप्पटा मारने की कोशिश की, किन्तु इतनी ऊंचाई से हवा में गोता लगाने का अभ्यास न होने कारण वह मेमने तक पहुँचने की बजाय एक चट्टान से जा टकराया

जिससे उसका सिर फूट गया, चोंच टूट गयी और कुछ ही देर में उसकी मृत्यु

हो गई।

कहानी से शिक्षा :अपनी स्थिति और क्षमता पर विचार किए बिना किसी की नकल नहीं करनी चाहिए।